

कृषि विश्वविद्यालय में जैन इरीगेशन से प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस द्वारा सूक्ष्म सिंचाई व एग्रो-प्रोसेसिंग के क्षेत्र में सहयोग पर बनी कार्ययोजना

सरदार वल्लभभाई पटेल कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय , मेरठ के तकनीकी महाविद्यालय में 21 अगस्त को जैन इरीगेशन सिस्टम्स लिमिटेड के स्टेट हेड एवं विश्वविद्यालय में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस इं० रवीन्द्र कुमार बैठक में हिस्सा लिया। कार्यक्रम के प्रारंभ में तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. जयवीर सिंह ने इं० रवीन्द्र कुमार का विश्वविद्यालय आगमन पर स्वागत एवं अभिनंदन किया तथा महाविद्यालय में संचालित शैक्षणिक कार्यक्रमों , अनुसंधान गतिविधियों व आधारभूत सुविधाओं की विस्तृत रूपरेखा साझा की। बैठक के दौरान आयोजित संवाद सत्र में महाविद्यालय के संकाय सदस्यों ने प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस श्री रवीन्द्र कुमार के साथ विद्यार्थियों के प्लेसमेंट , तकनीकी प्रशिक्षण, उद्योग-केंद्रित व्याख्यान सत्रों, रोजगारपरक इंटरशिप तथा संयुक्त अनुसंधान के अवसरों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया। इस अवसर पर किसानों एवं छात्र-छात्राओं के व्यावहारिक ज्ञानवर्धन हेतु जैन इरीगेशन के सीएसआर फंड के माध्यम से विश्वविद्यालय में एक अत्याधुनिक 'माइक्रो-इरीगेशन डिमॉन्स्ट्रेशन यूनिट' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा गया। इसके साथ ही विद्यार्थियों , किसानों एवं अन्य हितधारकों को आधुनिक कृषि व सिंचाई तकनीकों से जोड़ने के लिए विशेष कार्यशालाएं आयोजित करने तथा छात्र-छात्राओं को सूक्ष्म सिंचाई व कृषि उत्पाद प्रसंस्करण के क्षेत्र में औद्योगिक अनुभव उपलब्ध कराने पर सहमति बनी। इसके अतिरिक्त, विद्यार्थियों एवं प्राध्यापकों के लिए जैन इरीगेशन के जलगांव स्थित मुख्य कॉर्पोरेट कार्यालय के शैक्षणिक भ्रमण की योजना भी प्रस्तावित की गई। विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति डॉ. त्रिवेणी दत्त के कुशल मार्गदर्शन एवं प्रेरणा तथा तकनीकी महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. जयवीर सिंह के नेतृत्व में संपन्न इस पहल से विश्वविद्यालय और कृषि उद्योग के मध्य सहभागिता को एक नया आयाम मिला है।



